

क

प्रश्न (हिंदी)



भारत में बाघ संरक्षण की सफलता केवल बाघों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि स्थानीय समुदायों के सतत् सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करना आवश्यक है। चर्चा कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

Q

Question (English)



The success of tiger conservation in India should not be limited to increasing the number of tigers but should also ensure sustainable co-existence with local communities. Discuss.

(10 Marks, 150 Words)



लेखन के लिए संकेत: उदाहरण, आँकड़े, योजनाएँ, चुनौतियाँ, समाधान एवं आगे की राह को शामिल करें।



भारत में बाघ संरक्षण की सफलता केवल बाघों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि स्थानीय समुदायों के अतः सह आस्तित्व को भी सुनिश्चित करना आवश्यक है - चर्चा कीजिए।

Ans → भारत विश्व के सर्वाधिक घोंगली बाघों का आवास है प्रोजेक्ट टाइगर (1973) तथा संरक्षण प्रयासों से बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है किंतु संरक्षण की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी जब बाघ संरक्षण और स्थानीय समुदायों के आपसी संबंधों में संतुलन स्थापित हो

बाघ संरक्षण में स्थानीय समुदायों का महत्व

① संघर्ष में कमी :- मानव-बाघ संघर्ष, फसल एवं पशुधन की हानि को कम किए बिना संरक्षण व्यवहार्यात्मक नहीं हो सकता है

② जनभागीदारी को बढ़ावा :- स्थानीय समुदाय अवैध शिकार रोकने, वन संरक्षण तथा निगरानी में प्रभावी सहयोग दे सकते हैं

③ आजीविका एवं संरक्षण का संतुलन :- इको-टूरिज्म, मुआवजा तथा वैकल्पिक रोजगार से संरक्षण और विकास दोनों को बढ़ाता है।

U.P.S.C.

संरक्षण को प्रभावी बनाने के उपाय :-

- त्वरित तथा पारदर्शी मुआवजा व्यवस्था
- वन्यजीव गलियारों को संरक्षण
- समुदाय आधारित संरक्षण एवं जन जागरूकता को बढ़ावा ।

उदाहरण :- आखिल भारतीय बाघ (200

मे 3682 बाघ दर्ज किए गए जो संरक्षण प्रयासों की सफलता के साथ यह अस्तित्व की आवश्यकता को रेखांकित करता है ।

प्रमुख अवधारणाएँ

- प्रोटेक्ट हाइगर
- NTCA
- मानव-वन्यजीव संघर्ष
- वन्यजीव गलियारें

निष्कर्ष : अतः बाघ संरक्षण का उद्देश्य केवल प्रजाति संरक्षण नहीं, बल्कि प्रकृति तथा समुदाय के बीच संतुलन सह-अस्तित्व करना होना चाहिए यही संरक्षण की दीर्घकालिक एवं स्थायी सफलता का आधार है ।

30 July 2026

भारत में बाघ संरक्षण की सफलता केवल बाघों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि स्थानीय समुदायों के सतत सह-अस्तित्व की भी सुनिश्चित करना आवश्यक है। चर्चा कीजिए।

भारत विश्व के छैव विविधता समृद्ध देशों में से एक है। प्रोजेक्ट टाइगर की सफलता के कारण देश में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी प्रकार एक सींग वाले गैंडों के संरक्षण में भी भारत में सफलता प्राप्त की है।

लेकिन वन्यजीव संरक्षण केवल इन प्रजातियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। रशियाई शेर वर्तमान में मुख्यतः गुजरात के एक गिर राष्ट्रीय उद्यान तक सीमित है। एक ही क्षेत्र में इसकी अधिक आबादी होने से महामारी, प्राकृतिक आपदा, जंगल की आग तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष

जैसे जोजिम बर जाते है। इसलिए इनके
 लिए वैश्वीय भावास विकसित करना
 और अन्य राज्यों में पुनर्वास की योजना
 आवश्यक है।

संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार

वन्यजीव
 गलियारों का
 विकास

स्थानीय समुदायों
 की भागीदारी

संरक्षण कार्यक्रम
 के लिए वित्तीय
 एवं तकनीकी संसाधन
 उपलब्ध किया
 जाना।

शिक्षण पर कठोर
 नियंत्रण तथा
 वैज्ञानिक निगरानी
 को बढ़ाव देना

अतः भारत में वन्यजीव संरक्षण का लक्ष्य
 केवल बाघ या मेंढों तक सीमित न होकर
 सभी संकटग्रस्त संरक्षण पर केंद्रित होना
 चाहिए। यही समग्र संरक्षण दृष्टिकोण केवल
 विविधता, पारिस्थितिक संतुलन तथा सतत
 विकास को सुनिश्चित किया।

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर (POJK) से सम्बन्धित घटनाक्रम भारत की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किस प्रकार महत्वपूर्ण हैं? चर्चा कीजिए।

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर भारत के जम्मू कश्मीर का वह भाग है जिस पर 1947-48 के युद्ध के बाद पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। यह क्षेत्र भारत की संप्रभुता, सीमा पर आतंकवाद पर अंकुश, और चीन - पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) जैसे आर्थिक मुद्दों को केन्द्र बिन्दु है।

भारत के विदेश नीति के लिए महत्व

1. संप्रभुता और क्षेत्रीय अखण्डता

- भारत (POJK) की अपना अभिन्न अंग मानता है।
- सभी अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत इसी अवैधानिक एवं कानूनी स्थिति की दोहराता है।

2. भारत - पाक सम्बन्धों का प्रमुख मुद्दा -

- POJK से जुड़ी गतिविधियाँ द्विपक्षीय सम्बन्धों की प्रभावित करती हैं।
- सीमा पर आतंकवाद और दुरुपेठ आति प्रक्रिया में बाधक हैं।

3. चीन - पाकिस्तान सहयोग -

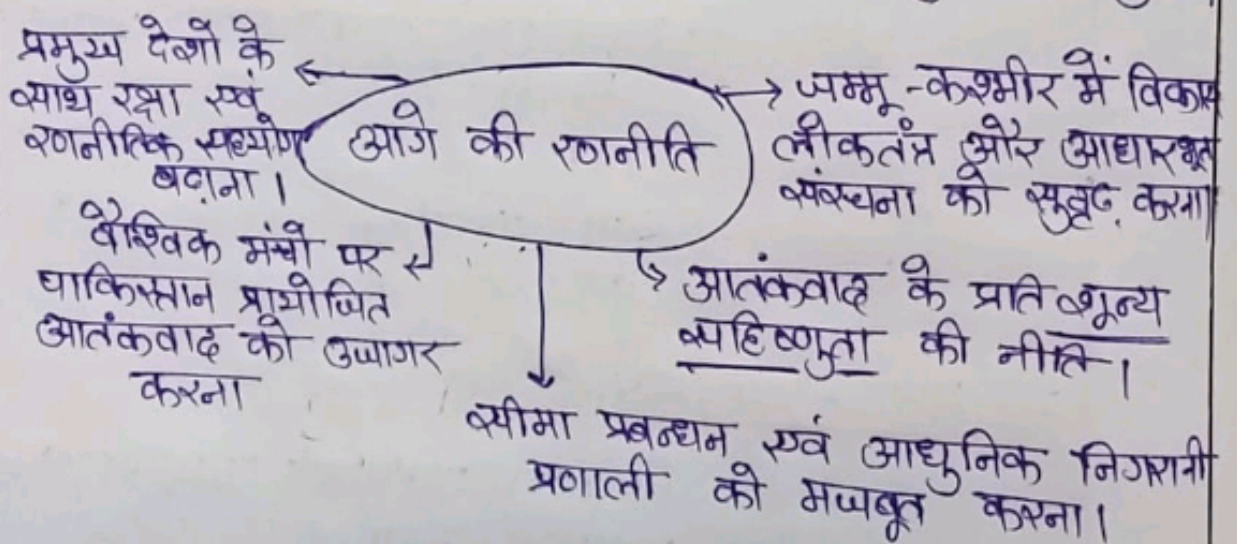
- POJK से लेकर गुजरने वाला चीन - पाक आर्थिक गलियारा भारत की संप्रभुता सम्बन्धित चिन्ता उत्पन्न करता है।
- इससे भारत की कूटनीतिक रणनीति और वहाँ - वैश्विक रणनीति प्रभावित होती है।

4. वैश्विक कूटनीति -

भारत आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक समर्थन जुटाने तथा पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने का प्रयास करता है।

राष्ट्रिय सुरक्षा के लिए महत्त्व

- सीमा पर आतंकवाद - आतंकी प्रशिक्षण शिविर एवं दुसपैठ।
- लाइन ऑफ कंट्रोल (LOC) पर सुरक्षा चुनौतियाँ - संघर्षविराम, उल्लंघन, डीन के माध्यम से हथियार एवं मादक पदार्थों की तस्करी।
- अमेरिकी महत्त्व - POK का स्थान लद्दाख, सिञ्चायित एवं काराकोरम क्षेत्र की सुरक्षा के जुड़ाव।



POJK से जुड़े बटनाक्रम केवल सीमा विवाद नहीं हैं, बल्कि भारत की सम्प्रभुता, विदेश नीति, आतंकवाद-रैदी रणनीति और राष्ट्रिय सुरक्षा से जुड़े बहुआयामी विषय हैं। भारत को दृढ़ कूटनीति, सशक्त सुरक्षा अवस्था और समावेसी विकास के माध्यम से अपने राष्ट्रिय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को भी बढ़ावा देना चाहिए।

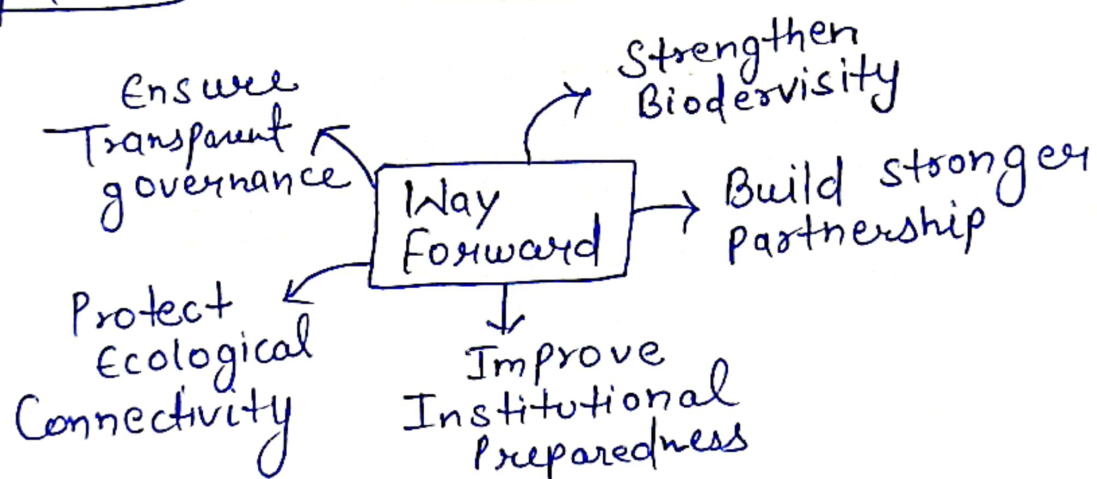
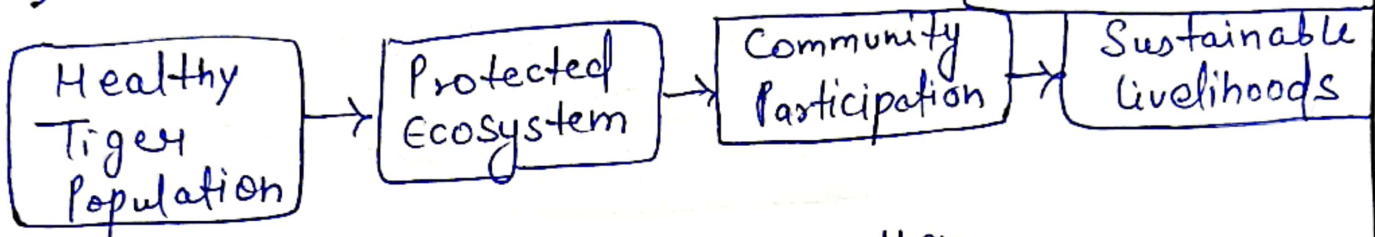
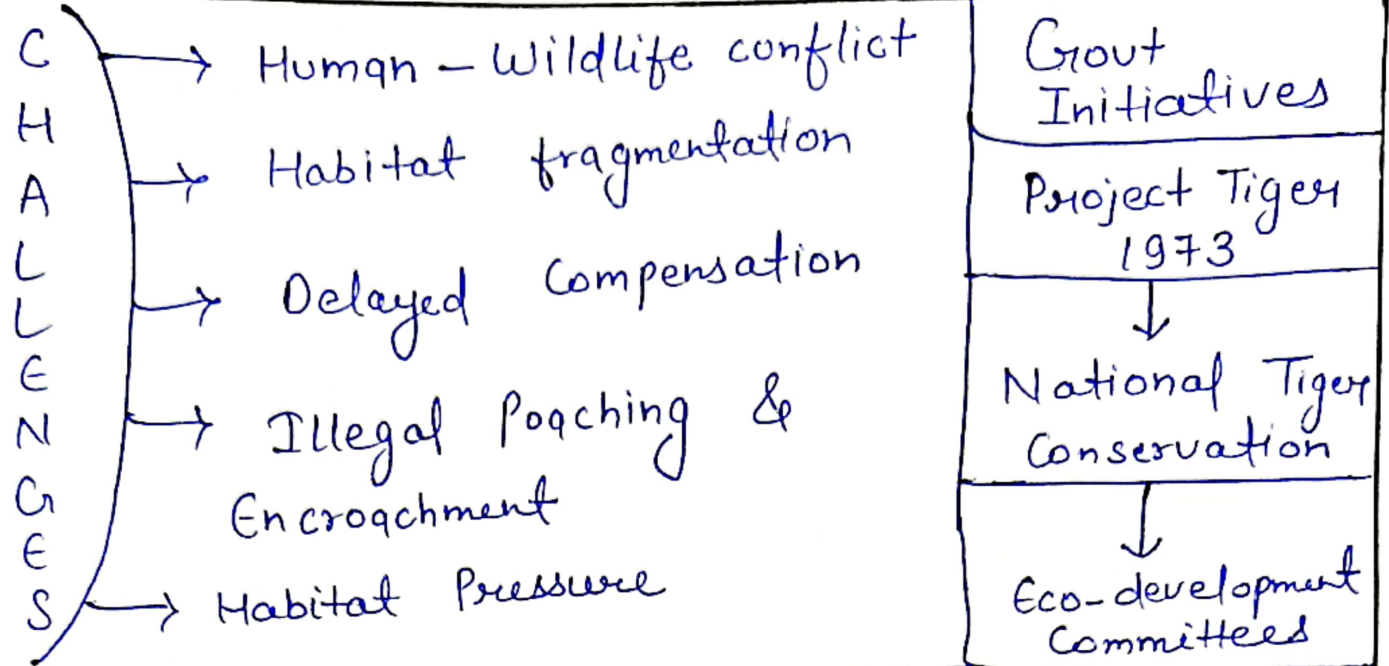
"The success of tiger conservation in India should not be limited to increase the no. of tigers but should also ensure sustainable coexistence with local communities". Discuss. (150 words).

As per All India Tiger Estimation (AITE), 2026 is the 6th cycle of India's nationwide tiger census, reflecting the country's strong commitment to scientific wildlife monitoring.

* Measures to Ensure Sustainable Human-Tiger Co-existence

- ① Reduce human tiger conflict through timely compensation → early warning system.
- ② Community participation via (EDCs) Eco-development Committee & local community.
- ③ Habitat connectivity & landscape-level conservation to reduce tiger movement into human settlements.
- ④ Livelihood security through eco-tourism, skill development & sustainable livelihoods.

Ex:- Tamil Nadu's (Maddumalai Tiger Reserve) is a leading example where community-led eco-tourism & local participation while supporting tiger conservation.



Thus, By protecting tigers and their habitats while ensuring community participation, India is strengthening biodiversity conservation, enhancing ecological security & advance the vision of Vikshit Bharat 2047 through Sustainable development.

U.P.S.C.

30/7/26

भारत में बाघ संरक्षण की सफलता केवल बाघों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि स्थानीय समुदायों के समुदायों के सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करना आवश्यक है। चर्चा की जाए।

उत्तर $\Rightarrow$ भारत में या किसी भी जंगल को

भी प्रोटेक्ट करने के पहले स्थानीय समुदाय की भागीदारी होना उसमें जरूरी है।

बाघ प्रोटेक्टर हम ठाढ़ार से 75% बाघों की अलेखनीय घाहें हुई हैं, जो स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर नजर आ रही हैं।

केवल संख्या बढ़ाने तक ही सीमित क्यों नहीं?

$\rightarrow$ मानव-वन्यजीव संघर्ष $\rightarrow$ बाघों की बढ़ती वनसंख्या व

सिकुड़े गए जगहों के कारण मानव-वन्यजीव के मध्य संघर्ष।

$\rightarrow$ स्थानीय विस्थापन $\rightarrow$ संरक्षण नीतियों के कारण वनवासी व स्थानीय समुदायों का स्थानान्तरण जिससे उनमें आक्रोश उत्पन्न

$\rightarrow$ समुदायों में अलगव की भावना $\rightarrow$ संरक्षण नीतियों का

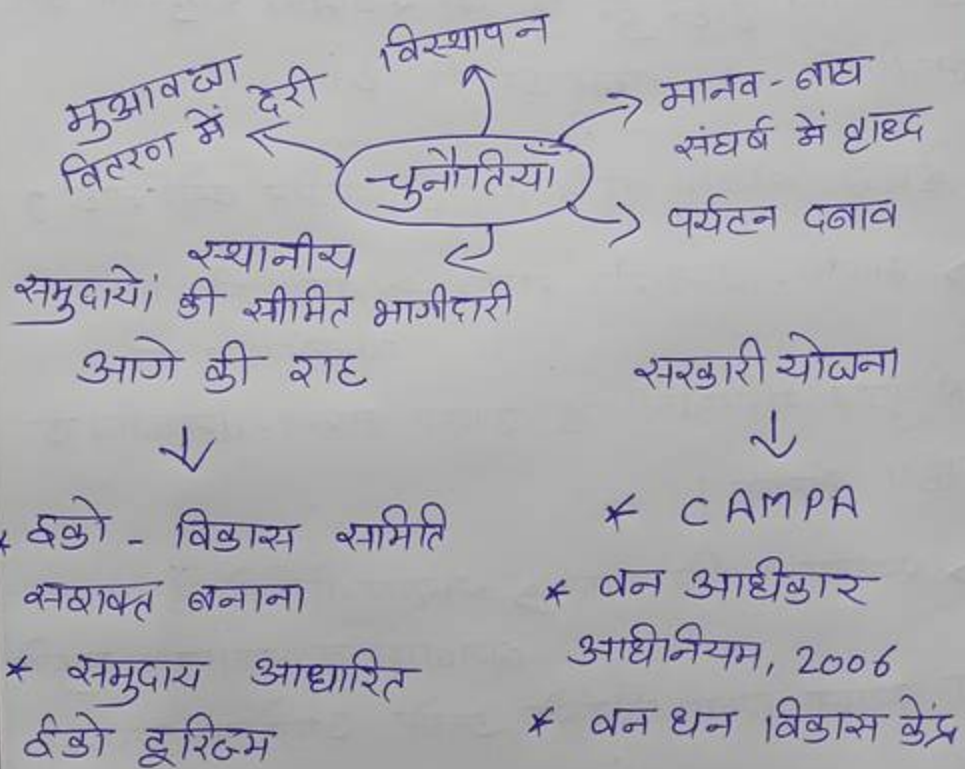
उन्हे लाभ न मिलने से वे नीति विरोधी हो जाते हैं, और अवैध कार्य करते हैं, जैसे - खिलार

समुदायों संग सतत विकास क्यों आवश्यक?

1. पारंपरिक ज्ञान $\rightarrow$ स्थानीय व आदिवासी
समुहों जैसे बेगा, गोण्ड
के पास पारंपरिक ज्ञान।

2. प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता $\Rightarrow$ अवैध छिड़ार, आग को
रोकने व सूचना देने में
प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता

3. दीर्घकालिक समर्थन $\Rightarrow$ स्थानीय समर्थन मिलने से
अवैध छिड़ार में कमी।



बाध संरक्षण जैसे कार्यों में स्थानीय
समुदाय का उनके ज्ञान, प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के
कारण महत्व बढ़ जाता है। किसी भी योजना को
सफलता वहाँ के स्थानीय समुदाय के बिना
प्राप्त नहीं हो सकती।

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit given for each in the parentheses.
Consistency of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet for Practice Purpose Only)

- प्रश्न- भारत में बाघों के संरक्षण की आवश्यकता केवल बाघों की संख्या तक सीमित नहीं होगी - वास्तविक, स्थानीय समुदायों के साथ सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करना आवश्यक है - उदाहरण के लिए (150 शब्द)
- भारत में प्रोजेक्ट टाइगर (1973) की सफलता एक वैश्विक मिशन है, जिसके परिणामस्वरूप आज भारत में दुनिया के 70% बाघ हैं। किन्तु दीर्घकालिक संरक्षण की वास्तविक सफलता (मानव-वन्यजीव संघर्ष) को कम कर स्थानीय समुदायों के साथ 'सह-अस्तित्व' सुनिश्चित करने में ही निहित है।
 - मानव-बाघ संघर्ष को कम करने हेतु उपाय-
 - बाघों के ट्रेलों और गाँवों की ओर जाते सै मानव-मृत्यु, पशुओं का शिकार और जन आक्रोश बढ़ा है।
 - वन विभाग की संकेत - पुनर्वास रणनीति जब तक प्रातिष्ठानिक रही है। जब इसे विज्ञान-आधारित सक्रिय रणनीति में बदलने की आवश्यकता है।
 - TIGR - टाइगर वाटरशेड टाइगर रिजर्व।
 - Pilot Project - इसका प्रारम्भ 9 राज्यों में किया जाएगा -

(Please do not
write anything except
the question number
in this space)

कृपया इस स्थान
में प्रश्न संख्या के
अतिरिक्त कुछ
न लिखें।

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को
इन निर्देशों को
नहीं लिखना
चाहिए।
Candidates
must not
write on the
margin.

• Pilot Project की विशेषताएँ →

- मानव बला संघर्ष का कार्य हेतु
- दीर्घकालिक सह-उत्थित्व
- पूर्व चेतनाधी पुजारी (आधुनिक, तकनीक द्वारा)
- साक्षि डाक्टोरल रस कार्य
- व्यापक मुद्राबला तंत्र

• भारत पहल यह दर्शाती है कि कृषि
संरक्षण अब केवल बाल लगे जंगलों
तक सीमित नहीं रहे सकता यदि
सुव्यवस्थित व्यापक मुद्राबला तंत्र और संचालन
स्तर या जागरूकता डाक्टोरल व्यापक
जाएँ। तो भारत प्रोजेक्ट भी प्रोजेक्ट
टाइम की तरह एक बोधिवक लैंग्वेज
बन सकता है जो यह साबित करेगा कि
इंसान जो बड़े गंभीरता जानकर शासन
परिदृश्य में शास्त्रपूर्ण सह-उत्थित्व रख
सकते हैं।